04
12.35 PM
10.11.2020

प्ररूप 2ङ
(नियम 4 देखिये)

नाम निर्देशन–पत्र

इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र

परिषद् निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश (राज्य) की विधान परिषद् के लिये निर्वाचन, 2020

भाग–1

हम ....उत्तर प्रदेश .... (राज्य) की विधान परिषद् के निर्वाचन के लिये इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित को नामनिर्देशित करते हैं।

अभ्यर्थी का नाम ...चन्द्रलोक सिंह...

(पिता/माता/पति का नाम) ...श्री राम शिरोमणि सिंह...

उसका डाक पता ...ग्राम- हिनौता पो० मऊ, जिला चित्रकूट पिन-210209...

उसका नाम 237 मानिकपुर विधान सभा/निर्वाचन–क्षेत्र की निर्वाचक नामावली के भाग संख्या ...125...

में क्रम संख्या ...781... पर प्रविष्ट है।

हम घोषणा करते हैं कि हम मतदाता हैं और हमारे नाम इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में, जैसा कि नीचे उपदर्शित किया गया है, प्रविष्ट है और इस नामनिर्देशन के प्रतीक स्वरूप हम नीचे अपने हस्ताक्षर करते हैं :

प्रस्थापकों की विशिष्टियां और उनके हस्ताक्षर

क्रम सं.	प्रस्थापक की निर्वाचक नामावली संख्या		पूरा नाम	हस्ताक्षर	तारीख
	निर्वाचक नामावली की भाग संख्या	उस भाग में क्रम संख्या			
1	2	3	4	5	6
1	भाग संख्या- 129 खण्ड सं०- 210	1009	संजय सिंह	संजय सिंह	10-11-20
2	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	865	शुभम सिंह	शुभम सिंह	10-11-20
3	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	768	विनोद कुमार	विनोद कुमार	10-11-20
4	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	773	विचित्र कुमार सिंह	[illegible]	10-11-20
5	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	436	प्रताप सिंह चंदेल	[illegible]	10-11-20
6	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	885	सर्वेश कुमार	सर्वेश कुमार	10-11-20
7	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	891	सन्तोष सिंह	[illegible]	10/11/20
8	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	875	शैलेन्द्र सिंह	शैलेन्द्र सिंह	10/11/20
9	भाग सं०- 129 खण्ड सं०- 210	226	कौशलेन्द्र सिंह	कौशलेन्द्र सिंह	10/11/20
10	भाग सं०- 28 खण्ड सं०- 20	146	रामाभद्र प्रसाद सिंह	R.Singh	10-11-20

* प्रस्थापक निर्वाचन क्षेत्र के दस प्रतिशत मतदाता या दस ऐसे मतदाता, जो भी कम हों, होने चाहिये।

मैं, उपरिवर्णित अभ्यर्थी इस नामनिर्देशन के लिये अपनी अनुमति देता/देती हूँ और घोषणा करता/करती हूँ कि :–

(क) मैं भारत का नागरिक हूँ और मैंने किसी अन्य विदेशी राज्य की नागरिकता अर्जित नहीं की है,

(ख) मैंने ....38.... वर्ष की आयु पूरी कर ली है,

(ग) मैं इस निर्वाचन में ....स्वतन्त्र अभ्यर्थी.... दल द्वारा खड़ा किया गया हूँ/खड़ी की गई हूँ,

(घ) मेरा नाम और मेरे पिता/माता/पति का नाम ऊपर ....हिन्दी.... (भाषा का नाम) में सही रूप से लिखा गया है, और

(ङ) अपनी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार मैं, **इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र** से उत्तर प्रदेश (राज्य) की विधान परिषद के रिक्त स्थान को भरने के लिये चुने जाने हेतु अर्हित हूँ और निरर्हित नहीं हूँ।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि इसके साथ–साथ होने वाले विधान परिषद के विद्यमान द्विवार्षिक निर्वाचन/उप निर्वाचनों में दो स्थानों के लिये किसी अभ्यर्थी के रूप में नामनिर्दिष्ट नहीं किया गया हूँ और न ही किया जाऊंगा।

C.L. Singh

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

तारीख ....10·11·20....

* जो लागू न हो, उसे काट दें।

भाग–2
(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाए)

(1) क्या अभ्यर्थी को –

(i) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की – ।

(क) उपधारा (1) के अधीन किसी अपराध (अपराधों) के लिए , या । नहीं

(ख) उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट किसी विधि के उल्लंघन के लिए, । नहीं

सिद्धदोष ठहराया गया है , या । हां/नहीं

(ii) ऐसे किसी अन्य अपराध (अपराधों) के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है, । नहीं
जिसके (जिनके) लिए उसे दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडित ।
किया गया है। ।

यदि उत्तर "हां" में है, तो अभ्यर्थी निम्नलिखित जानकारी देगा :

(i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्यांक .... शून्य ....

(ii) पुलिस थाना (थाने) ......शून्य...... जिला (जिले) ......शून्य...... राज्य ......शून्य......

(iii) संबद्ध अधिनियम (अधिनियमों) की धारा. (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण, जिसके (जिनके) लिए उसे सिद्धदोष ठहराया गया था ......शून्य......

(iv) दोषसिद्ध (दोषसिद्धियों) की तारीख/(तारीखें) ......शून्य......

(v) वह (वे) न्यायालय जिसने (जिन्होंने) अभ्यर्थी को सिद्धदोष ठहराया था ......शून्य......

(vi) अधिरोपित दंड कारावास (कारावासों) की अवधि और/या (जुर्माने) की राशि उपदर्शित करें ...शून्य
....

(vii) कारागार से निर्मुक्ति की तारीख (तारीखें) ......शून्य......

(viii) क्या उपरोक्त दोषसिद्धि (दोषसिद्धियों) के विरूद्ध कोई अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण फाइल किए गये थे : हां/नहीं नहीं

(ix) फाइल की गयी अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) की विशिष्टियां एवं तारीख...शून्य...

(x) उस न्यायालय (उन न्यायालयों) का (के) नाम, जिसके (जिनके) समक्ष अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण आवेदन फाइल किए गये थे ......शून्य......

(xi) क्या उक्त अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है या वह/वे लंबित हैं ......शून्य......

(xii) यदि उक्त अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है, तो–

(क) निपटारे की तारीख (तारीखें) ......शून्य......

(ख) पारित आदेश (आदेशों की प्रकृति) ......शून्य......

C. Singh

(2) क्या अभ्यर्थी भारत सरकार या राज्य सरकार के अधीन कोई लाभ का पद धारण कर रहा है?
नहीं (हां/नहीं)
–यदि हां, धारित पद के ब्यौरे लागू नहीं होता

(3) क्या अभ्यर्थी किसी न्यायालय द्वारा दिवालिया घोषित किया गया है ? नहीं (हां/नहीं)
–यदि हां, क्या उसे दिवालियापन से उन्मोचित कर दिया गया है शून्य

(4) क्या अभ्यर्थी किसी विदेशी देश के साथ राजनिष्ठा या अनुषति के अधीन है ? नहीं (हां/नहीं)
–यदि हां, ब्यौरे दीजिए शून्य

(5) क्या अभ्यर्थी राष्ट्रपति के आदेश द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 8क के अधीन निरर्हित किया गया है?
नहीं (हां/नहीं)
–यदि हां, निरर्हित किए जाने की अवधि शून्य

(6) क्या अभ्यर्थी भारत सरकार या किसी राज्य की सरकार द्वारा पद धारण के दौरान भ्रष्टाचार या अभक्ति के लिए पदच्युत किया गया है? (हां/नहीं)
–यदि हां, ऐसी पदच्युति की तारीख शून्य

(7) क्या अभ्यर्थी या तो व्यष्टि हैसियत में या न्यास द्वारा या भागीदारी द्वारा सरकार के साथ कोई ऐसी अस्तित्ववान संविदा(संविदाएं) रखता है जिसमें(जिनमें) अभ्यर्थी का उस सरकार को किसी माल के प्रदाय के लिए या उस सरकार द्वारा किए संकर्म के निष्पादन के लिए शेयर रखता है? नहीं (हां/नहीं)
–यदि हां, तो कौन सी सरकार के साथ है और अस्तित्ववान संविदा(ओं) के ब्यौरे शून्य

(8) क्या अभ्यर्थी ऐसी किसी कंपनी या निगम(सहकारी सोसाइटी से भिन्न) का प्रबंधकीय अभिकर्ता या प्रबंधक या सचिव है जिसकी पूंजी में केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार पच्चीस प्रतिशत से कम शेयर नहीं रखती है? नहीं (हां/नहीं)
–यदि हां, कौन–सी सरकार के साथ और उसके ब्यौरे शून्य

(9) क्या अभ्यर्थी आयोग द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 10क के अधीन निरर्हित किया गया है? नहीं (हां/नहीं)
–यदि हां, निहर्रन की तारीख शून्य

स्थान : झांसी
तारीख : 10.11.20

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

भाग–3

(रिटर्निंग आफिसर द्वारा भरा जाए)

नाम निर्देशन पत्र की क्रम संख्या 04

यह नामनिर्देशन मुझे/मेरे कार्यालय न्यायालय कक्ष, आयुक्त, झाँसी मण्डल, झाँसी में 10.11.2020 (तारीख) को 12.35 PM (बजे) अभ्यर्थी/~~प्रस्थापक~~ चन्द्र लोक सिंह (नाम) द्वारा परिदत्त किया गया।

तारीख 10.11.2020

रिटर्निंग आफिसर

भाग–4

नामनिर्देशन–पत्र को प्रतिगृहीत या रद्द करने वाले रिटर्निंग आफिसर का विनिश्चय

मैंने इस नामनिर्देशन–पत्र को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 के अनुसार परीक्षित कर लिया है और मैं निम्नलिखित रूप में विनिश्चय करता हूँ :––

तारीख ....

रिटर्निंग आफिसर

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

TEN RUPEES

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

22AE 744696

NOTARY
V.B. Shukla
Advocate Notary
Prayagraj
Reg. No. 20445/01
GOVT. OF U.P. INDIA

प्ररूप 26

(नियम 4 क देखिए)

इलाहाबाद झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

विधान परिषद (सदन का नाम) के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किये जाने वाला शपथपत्र

भाग -

मै चन्द्र लोक सिंह पुत्र श्री राम शिरोमणि सिंह आयु 38 वर्ष जोगिनलहा पो० मऊ जिला चित्रकूट -210209 का निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी हूँ। सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ कि शपथपत्र पर निम्नलिखित कथन करता हूँ कि :-

(1) मै स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप मे प्रत्याशी हूँ और एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप मे लड रहा हूँ।

(2) मुझे किसी राजनीतिक दल से समर्थन प्राप्त नही है।

(3) मेरा नाम मानिकपुर (237) विधान सभा क्षेत्र मे भाग संख्या 125 के क्रम संख्या 781 पर प्रविष्टि है। मेरा दूरभाष नं० 9161202228 व 7985482185 है और ई मेल आई डी - CLSPC7582@gmail.com

09-11-2020

Ch. Singh

....2

क्रमांक 378 तिथि 9/11/2020 मू० ...... प्रयोजन

स्टाम्प क्रेता का नाम ...... चन्द्रलोक [illegible]

निवासी ......

ला० नं० 610 वर्ष-20 ...... [illegible]

स्टाम्प विक्रेता का नाम–चन्द्र प्रसाद

स्थान–चौकघाट [illegible] कलेक्ट्रेट, प्रयागराज/इला०

स्टाम्प विक्रेता का हस्ता० ......

मेरा ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे शोशल मीडिया खाता/ खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है /-

(1) www.facebook.com/Chandralok singh.patel

(2) www.facebook.com/सपोर्ट-चन्द्रलोक पटेल एमएलसी

(3) @PatChandralok

4-- स्थाई खाता संख्या (पैन) और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति:-

क्रम नाम		पीएसन (स्थायी खाता संख्या	हत वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंकित आयकर विवरणी फाइल कीगयी है।	पिछले पांच वित्तीय वर्षों (31 मार्च को) के लिए आयकर विवरण मे दर्शित कुल आय (रुपये मे)
		पैन संख्या	वित्तीय वर्ष	आयकर विवरण (रुपये)
1. स्वयं	1.	CCKPS1432A	2019-20	836813=00
	2.	CCKPS1432A	2018-19	741129=00
	3.	CCKPS1432A	2017-18	650228=00
	4.	CCKPS1432A	2016-17	538124=00
	5.	CCKPS1432A	2015-16	485766=00
2- पति या पत्नी		FUXP8317A	2019-20	1.248710=00
			2018-19	2. शून्य
			2017-18	3. शून्य
			2016-17	4. शून्य
			2015-16	5. शून्य
3- हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब यदि अभ्यर्थीकर्ता या सहदायिक हो		शून्य		
4-आश्रित 1-		शून्य		
5- आश्रित2-		शून्य		
6-आश्रित3		शून्य		

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 20145/01 GOVT. OF U.P. INDIA

C L Singh

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मेरे विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। लागू नहीं होता

(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखें) लागू नहीं

या

(ii) मेरे विरुद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित हैं:

(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं तो इस विकल्प चिह्नांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों का ब्यौरा दें)

सारणी

(क)	संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं.	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं.	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं *(धारा की सं. दें अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा......)*	शून्य	शून्य	शून्य
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	शून्य	शून्य	शून्य
(ङ)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	शून्य	शून्य	शून्य
(च)	यदि उपरोक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसको आरोप विरचित किए गए थे	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	शून्य	शून्य	शून्य

(6) दोषसिद्धि के मामले,-

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्ध नहीं किया गया है। लागू नहीं होता

(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखें) लागू नहीं

या

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 20415/01 GOVT. OF U.P. INDIA

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिध्द किया गया है:

(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें) लागू नही

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय का नाम	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं *(धारा की सं. दें अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा......)*	शून्य	शून्य	शून्य
(घ)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोषसिद्ध किया गया है	शून्य	शून्य	शून्य
(ङ)	दोषसिद्धि के आदेशों की तारीखें	शून्य	शून्य	शून्य
(च)	अधिरोपित दंड	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या दोषसिद्धि के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाईल की गई है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	शून्य	शून्य	शून्य
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें	शून्य	शून्य	शून्य

(6क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और पैरा (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुद्ध सभी लंबित आपराधिक मामलों की और दोषसिद्धि के सभी मामलों के बारे में अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है।

[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हें यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की प्रविष्टियों को देखते हुए, स्पष्ट रूप से लागू नहीं होता है, लिखना चाहिए]

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 20450/01 GOVT. OF U.P.

C.L. Singh

टिप्पण:

1. ब्यौरे स्पष्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविष्ट किये जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद के सामने विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रूप से दिए जाए।
3. ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात् नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती है।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनाएं देने का उत्तरदायी होगा।

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं:

अ. <u>जंगम आस्तियों के ब्यौरे :</u>

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता-पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है(हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं हैं और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।';

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

टिप्पण 6 - ब्यौरों में अपदट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण,- इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतद आस्तियों" पद से विदेशी बैंकों और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं;

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	हाथ में नकदी	50000=00	20000=00	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 20/5/01 GOVT. OF U.P. INDIA

(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	SBI मऊ, चित्रकूट A/C-31236839866 Amt-125000= SBI नैनी प्रयागराज A/C-20214084151 Amt-2800= P.P.F- A/C-35-853835962 Amt=43124=	IDBI बैंक टैगोरटाउन प्रयागराज A/C-No 1267104000092728 Amt-2594=	शून्य	शून्य	[illegible]
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शू[illegible]
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, अल्प बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	L.I.C- P.No (1) 316013390 Amt-28595= (2) Relince-P.No 52469806 Amt-39376 (3) Relince-P.No 3377702 Amt 25592	L.I.C P.No 315067509 Amt-28757=	शून्य	शून्य	शून्[illegible]
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटर यान वाहन/वायुयान/यान/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	(1) स्कॉरपियो- UP-70-EP9907 दिनांक 25-11-18 Amt- 1310000= (2) इंडिगो- UP70-CW2059, Amt-250000/01.8.15	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	30gm Gold chain 10gm gold Ring- Amt-200000=	150gm gold Amt-750000= 2kg silver Amt-100000=	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	सकल कुल मूल्य	2099687=	901351=	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 20445/01 GOVT. OF U.P. INDIA

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेन्ट का इस प्रारुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3 - ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	ग्राम- भियरी गाटा सं० 1559=	ग्राम- भियरी गाटा सं० 1537=	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	0·677	1·069	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हाँ या नहीं)	हाँ	नहीं	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	28-06-19	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	210000= रु०	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	400000= रु०	4000000= रु०	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हाँ या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 20448/01 GOVT. OF U.P. INDIA

C.L. Singh

(iii)	**वाणिज्यिक भवन** (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	**आवासीय भवन** (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	313/288/26 [illegible] प्रयागराज	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	900 वर्ग फुट	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	570 वर्ग फुट	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	29.1020	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	370000= ([illegible])	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	37 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	**अन्य** (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 20148/... GOVT. OF U.P. INDIA

(vi).	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	45 लाख 6	45 लाख 66	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/ को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ:-

(टिप्पण: कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग-अलग विवरण दें)

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	**बैंक/वित्तीय संस्था** (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	एक्सिस बैंक पु० 29.60 लाख ₹ होमलोन SBI पु० 10.25 लाख कारलोन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	39.85 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्य: सरकारी आवास से संबंधित विभागों को शोध्य	क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्ष के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में हैं? ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोषणा प्रस्तुत करें, अर्थात् :- (i) सरकारी आवास का पता: ....शून्य.......... (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई शोध्य संदेय नहीं है- (क) भाटक; – शून्य (ख) विद्युत प्रभार; शून्य (ग) जल प्रभार; और शून्य (घ) ...शून्य...(तारीख) को टेलीफोन प्रभार [तारीख उस मास से, जिसमें निर्वाचन अधिसूचित					हाँ/नहीं ✓ (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का निशान लगाएं)

NOTARY
V.B. Shukla
Advocate Notary
Prayagraj
Reg. No. 20645/01
GOVT. OF U.P. INDIA

Ch. Singh

		किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके पश्चात् की कोई तारीख होनी चाहिए। टिप्पण– उपरोक्त सरकारी आवास के लिए भाटक, विद्युत प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बाबत् संबंधित अभिकरणों का "बेबाकी प्रमाणपत्र" प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
(iii)	सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को शोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी हैं)	शून्य शून्य शून्य

		स्वयं	पति/पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(iv)	आयकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	जीएसटी शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त हैं, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्राधिकारी का, जिसके समक्ष यह लंबित है, उल्लेख करें।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं ....प्रधानाध्यापक (अनुदानित)

(ख) पति या पत्नी ....इण्टर कालेज शिक्षिका

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरे–

(क) स्वयं ....वैतनिक (अनुदानित)

(ख) पति या पत्नी ....वैतनिक (प्राइवेट)

(ग) आश्रितों के आय के स्रोत,यदि कोई हों....आय नहीं होती....

(9ख). समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाएं-

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....शून्य....

(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....शून्य....

(ग) आश्रितों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....शून्य....

(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबद्ध हैं, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....शून्य.....

(ङ) भागीदारी फर्मों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार हैं....शून्य.........

(च) प्राइवेट कम्पनियों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों हिस्सा हैं.....शून्य.....।

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:-

....एम॰ए॰, एम॰एड॰, एम॰फिल॰....

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दे)।

एम॰ए॰ — इलाहाबाद वि॰वि॰ - सन् 2005 अनु॰क्र॰- 1987

एम॰एड - छत्रपति शाहुजी महाराज वि॰वि॰ कानपुर — सन् 2009 अनु॰क्र॰ 0001307

एम॰फिल - ग्रामोदय वि॰वि॰ चित्रकूट - सन् 2011 अनु॰क्र॰- 10058

NOTARY
V.B. Shukla
Advocate Notary
Prayagraj
Reg. No. 2045/07
GOVT. OF U.P. INDIA

C L Singh

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरों का सारांश

1.	अभ्यर्थी का नाम चन्द्रलोक सिंह	श्री/श्रीमती/कु. चन्द्रलोक सिंह		
2.	डाक का पूरा पता ग्रा० खिलहा पो०मऊ चित्रकूट, ग्रा० खिलहा पो०मऊ चित्रकूट			
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	237 मानिकपुर उ०प्र०		
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें)	स्वतन्त्र अभ्यर्थी		
5.	लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या	शून्य		
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोषसिद्ध ठहराया गया है"।	शून्य		
7.		स्थायी लेखा सं. (पैन)	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय-कर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	CCKPS1432A	2019-2020	836813=00
	(ख) पति या पत्नी	FUXPS8317A	2019-2020	248710=00
	(ग) हिंदू अविभक्त कुटुंब	शून्य	शून्य	शून्य
	(घ) आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य

8. आस्तियों और दायित्वों (अपतट आस्तियों सहित) के रुपयों में ब्यौरे-

		विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
क.		जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	2099687=00	901351=00	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ख.		स्थावर आस्तियां						
	I.	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	5 लाख	39.70 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	II.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 2045/01 GOVT. OF U.P. INDIA

C.L.Singh

	III.	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत- (क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	5 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
		(ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	5 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9.		दायित्व						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	19.85 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10.		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11.		उच्चतम शैक्षणिक अर्हता : (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण रूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।) एम॰ फिल - ग्रामोदय वि॰वि॰ चित्रकूट वर्ष - 2011						

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. [illegible] GOVT. OF U.P. INDIA

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इस से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि :-

C.L. Singh

(क) मेरे विरुद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 09-11-2020 को सत्यापित किया गया।

C.L. Singh

Identified D. Pandey Adv.

अभिसाक्षी।

टिप्पण : 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को अपराह्न 3:00 बजे तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटेरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण : 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्य रूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण : 5. शपथ पत्र का प्रत्येक पृष्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शपथ पत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर ऐसे नोटरी या शपथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष शपथ पत्र सत्यापित किया जाता है, की स्टांप होनी चाहिए।

NOTARY
V.B. Shukla
Advocate Notary
Prayagraj
Reg. No. 20/45/01
GOVT. OF U.P. INDIA
09-11-2020

Sri Chandralok Singh
who is identified by Sri D. Pandey Adv.
has sworn before me on 09-11-2020
and accepted the contents of
Affidavit to be true.

V.B. Shukla
NOTARY
Prayagraj (U.P.)

Identified

Advocate Alld

C.L. Singh

भारतीय गैर न्यायिक

दस रुपये

TEN RUPEES Rs.10

भारत

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

22AE 744697

समक्ष: रिटर्निंग आफिसर ,

इलाहाबाद झाँसी खण्ड स्नातक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र ,

उ0 प्र0 ।।

शपथ-पत्र मिनजानिब चन्द्र लोक सिंह उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्र श्री राम शिरो मणि सिंह निवासी ग्राम छिवलहा पो0 मउ जनपद- चित्रकूट शपथपूर्वक निम्नलि कथन करता हूँ :-

1- यह कि शपथकर्ता उपरोक्त निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी है।

2- यह कि शपथकर्ता का नाम निर्वाचक नामावली में चन्द्रलोक सिंह है।

3- यह कि शपथकर्ता उक्त निर्वाचन में मतपत्र में अपना नाम चन्द्रलोक सिंह पटेल उल्लिखित करवाना चाहता है।

4- यह कि न्यायहित में शपथकर्ता का नाम मतपत्र में चन्द्रलोक सिंह पटेल उल्लि त किया जाना नितान्त आवश्यक है।

मैं शपथकर्ता उपरोक्त बहलफ तस्दीक करता हूँ कि शपथ-पत्र की धारा 1 लगायत 4 सब सही व सच है न कुछ झूठ है न ही कुछ छिपायी गयी है

दिनांक - 9-11-2020 ई0

शपथकर्ता :

Chandralok Singh

NOTARY V.B. Shukla Advocate Notary Prayagraj Reg. No. 2045/01 GOVT. OF U.P. INDIA

09-11-2020

Sri Chandralok Singh who is identified by Sri .... has sworn before me on 09-11-2020 and accepted the contents of Affidavit to be true.

V.B. Shukla
NOTARY
Prayagraj (U.P.)

Identified D. Patel Advocate

9/11/2020

क्रमांक 377 दि० .... मू० .... प्रयोजन

स्टाम्प क्रेता का नाम .... [illegible]

निवासी .... [illegible]

ला० नं० 610 अवधि-20 ....

स्टाम्प विक्रेता का [illegible]

स्थान-[illegible]

स्टाम्प विक्रेता का ह० ....